SET-2

Exam ID. | | | | | | |

Candidates must write the Set No. on the title page of the OMR Sheet.

DAV PUBLIC SCHOOLS,ODISHA ZONE –I
PA-II EXAMINATION, 2021-22

- **Check that this question paper contains 14 printed pages.**
- **Set number given on the right hand side of the questions paper should be written on the OMR SHEET by the candidate.**
- **Check that this question paper contains 55 questions.**

CLASS – X
HINDI COURSE -B (085)

Time : 90 Minutes **Maximum Marks: 40**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्न पत्र में तीन खंड हैं-खंड 'क', 'ख' और 'ग'.
- खंड 'क' में कुल 2 प्रश्न पूछे गए हैं। दोनों प्रश्नों के कुल 20 उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 10उपप्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ख' में 4 प्रश्न हैं तथा इन सभी के 21 उपप्रश्न हैं। इनमें से निर्देशानुसार 16 उपप्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ग' में कुल 3 प्रश्न हैं तथा 14 उपप्रश्न सम्मिलित हैं। सभी उपप्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड 'क' अपठित गद्यांश (10) अंक

(क) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढिए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए | 5

पशु को बाँधकर रखना पड़ता है, क्योंकि वह निरंकुश है | चाहे जहाँ-तहाँ चला जाता है, इधर-उधर मुँह मार देता है | क्या मनुष्य को भी इसी प्रकार दूसरों का बंधन स्वीकार करना चाहिए ?क्या उससे उसमें मनुष्यत्व रह पाएगा | पशु के गले की रस्सी को एक हाथ में पकड़ कर और दूसरे हाथ में एक लकड़ी लेकर जहाँ चाहो हाँककर ले जाओ | जिन लोगों को इसी प्रकार हाँके जाने का स्वभाव पड़ गया है, जिन्हें कोई भी जिधर चाहे ले जा सकता है, काम में लगा सकता है, उन्हें भी पशु ही कहा जाएगा | पशु को चाहे कितना मारो, चाहे कितना उसका अपमान करो, बाद में खाने को दे दो, वह पूँछ और कान हिलाने लगेगा | ऐसे नर पशु भी बहुत से मिलेंगे जो कुचले जाने और अपमानित होने पर भी ज़रा-सी वस्तु मिलने पर चट संतुष्ट और प्रसन्न हो जाते हैं | कुत्ते को कितना ही ताड़ना देने के बाद उसके सामने एक टुकड़ा डाल दो, वह झट से मार-पीट को भूलकर उसे खाने लगेगा | यदि हम भी ऐसे ही हैं तो हम कौन हैं, इसे स्पष्ट कहने की आवश्यकता नहीं | पशुओं में भी कई पशु मार-पीट और अपमान को नहीं सहते | वे कई दिन तक निराहार रहते हैं, कई पशुओं ने तो प्राण त्याग दिए, ऐसा सुना जाता है | पर इस प्रकार के पशु मनुष्य-कोटि के हैं | उनमें मनुष्यत्व का समावेश है, यदि ऐसा कहा जाए तो कोई अतियुक्ति न होगी |

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए -

Q(1) कई पशुओं ने प्राण त्याग दिए, क्योंकि -

(A) उन्हें विद्रोह करने की अपेक्षा प्राण त्यागना उचित लगा |

(B) उन्हें तिरस्कृत हो जीवन जीना उचित नहीं लगा |

(C) वह यह शिक्षा देना चाहते थे कि प्यार, मार-पीट से अधिक कारगर है |

(D) वह यह दिखाना चाहते थे कि लोगों को उनकी आवशयकता अधिक है न कि उन्हें लोगों की |

Q(2) बंधन स्वीकार करने से मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ेंगे ?

(A) मनुष्य सामाजिक और व्यक्तिगत रूप से कम स्वतंत्र हो जाएगा

(B) मनुष्यत्व में व्यक्तिगत इच्छा व निर्णय का तत्व समाप्त हो जाएगा |

(C) मनुष्य बंधे हुए पशु समान हो जाएगा|

(D) मनुष्य की निरंकुशता में परिवर्तन हो जाएगा |

Q(3) मनुष्यत्व को परिभाषित करने हेतु कौन-सा मूल्य अधिक महत्वपूर्ण है |

(A) स्वतन्त्रता (B) न्याय (C) शांति (D) प्रेम

Q(4) गद्यांश के अनुसार कौन-सी उद्घोषणा की जा सकती है ?

(A) सभी पशुओं में मनुष्यत्व है |

(B) सभी मनुष्यों में पशुत्व है |

(C) मानव के लिए बंधन आवश्यक नहीं है |

(D) मान-अपमान की भावना केवल मानव ही समझता है |

Q(5) गद्यांश में नर और पशु की तुलना किन बातों को लेकर की गई है ?

(A) पिटने की क्षमता | (B) पूँछ-कान आदि को हिलाना |

(C) बंधन स्वीकार करना | (D) लकड़ी द्वारा हाँके जाना |

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढिए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

कर्म के मार्ग पर आनंदपूर्वक चलता हुआ उत्साही मनुष्य यदि अंतिम फल तक न पहुँचे तो भी उसकी दशा कर्म न करने वाले की अपेक्षा अधिकतर अवस्थाओं में अच्छी रहेगी, क्योंकि एक तो कर्मकाल में उसका जो भी जीवन बीता वह संतोष या आनंद में बीता,उसके उपरांत फल की अप्राप्ति पर भी उसे यह पछतावा न होगा कि मैंने प्रयत्न ही नहीं किया | बुद्धि द्वारा पूर्ण रूप से निश्चित की हुई व्यापार परंपरा का नाम ही प्रयत्न है | प्रयत्न की अवस्था में मनुष्य का जीवन जितना संतोष, आशा और उत्साह में बीतता है, अप्रयत्न की दशा में उतना ही शोक और दुख में कटता है | कर्म में आनंद अनुभव करने वालों का नाम कर्मण्य है | धर्म और उदारता के उच्च कर्मों के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनंद भरा रहता है कि कर्ता को वे कर्म ही फल स्वरूप लगते

हैं | अत्याचार और क्लेश का दमन करने में लोकोपकारी कर्मवीर को सच्चे सुख की प्राप्ति होती है |कर्मवीर के लिए सुख फल प्राप्ति तक रुका नहीं रहता बल्कि उसी समय से थोड़ा-थोड़ा करके मिलने लगता है, जबसे वह कर्म की ओर हाथ बढ़ाता है |

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए -

Q(6) कर्मवीर व्यक्ति का जीवन कर्मकाल में किस प्रकार बीतता है -

(A) कष्ट में (B) संशय में

(C) संतोष और आनंद में (D) इनमें से कोई नहीं

Q(7) बुद्धि द्वारा सुनिश्चित व्यापार परंपरा का नाम क्या है ?

(A) संतोष (B) विफलता

(C) सफलता (D) प्रयत्न

Q(8) अप्रयत्न की अवस्था में जीवन किसमें कटता है ?

(A) सुख और आराम में (B) शोक और दुख में

(C) निराशा मे (D) इनमें से कोई नहीं

Q(9) कर्ता को फल की प्राप्ति कब से होने लगती है ?

(A) जब से वह कर्म की ओर हाथ बढ़ाता है |

(B) जब से वह व्यापार में लग जाता है |

(C) जब वह मेहनत से जी चुराता है |

(D) जब वह परोपकार करता है |

Q(10) गद्यांश का उचित शीर्षक होगा ?

(A) उत्साही (B) जीवन की राह

(C) कर्मण्य (D) कर्म

(ख) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढिए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए | 5

भारतीय दर्शन सिखाता है कि जीवन का एक आशय और लक्ष्य है | उस आशय की खोज हमारा दायित्व है और अंत में उस लक्ष्य को प्राप्त कर लेना हमारा विशेष अधिकार है | इस प्रकार दर्शन जो कि आशय को उद्घाटित करने की कोशिश करता है और जहाँ तक उसे इसमें सफलता मिलती है, वह इस लक्ष्य

तक अग्रसर होने की प्रक्रिया है | कुल मिलाकर आखिर वह लक्ष्य क्या है ? इस अर्थ में यर्थाथ में दर्शन के अनुसार लक्ष्य की प्राप्ति वह है, जिसमें लक्ष्य पा लेना या उसके विषय में केवल जानना नहीं है बल्कि उसी का अंश हो जाना है | इस उपलब्धि में बाधा क्या है ? बाधाएँ कई हैं पर इनमें प्रमुख है अज्ञान | अशिक्षा आत्मा नहीं है, यहाँ तक कि यर्थाथ संसार भी नहीं है | यह दर्शन ही है जो उसे शिक्षित करता है और अपने अज्ञान से उसे मुक्ति दिलाता है | इस प्रकार एक दार्शनिक होना एक बौद्धिक अनुगमन करना नहीं है, बल्कि एक शक्तिप्रद अनुशाशन पर चलना है क्योंकि सत्य की खोज में लगे हुए सही दार्शनिक को अपने जीवन को इस प्रकार आचारित करना पड़ता है ताकि उसका उस यर्थाथ से एकाकार हो जाए जिसे वह खोज रहा है | वास्तव में यही जीवन का सही मार्ग है | सभी दार्शनिकों को इसका दार्शनिक ही नहीं हम मनुष्यों को भी इसी मार्ग का अनुसरण करना चाहिए |

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए -

Q(11) भारतीय दर्शन क्या सिखाता है ?

(A) जीवन का एक लक्ष्य और उद्देश्य है |

(B) लक्ष्य की खोज करना हमारा कर्तव्य है |

(C) अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेना हमारा अधिकार है |

(D) उपर्युक्त सभी बातें |

Q(12) भारतीय दर्शन के अनुसार लक्ष्य की प्राप्ति होने का क्या अभिप्राय है ?

(A) लक्ष्य के विषय में जानना (B) लक्ष्य को पा लेना |

(C) लक्ष्यका ही अंश हो जाना | (D) इनमें से कोई नहीं |

Q(13) दार्शनिक होने का क्या अभिप्राय है?|

(A) हर समय भक्ति-भाव में लीन रहना

(B) एक शक्तिप्रद अनुशासन का पालन करना

(C) अपने लक्ष्य की खोज में लगे रहना

(D) दूसरों को धर्म का उपदेश देना

Q(14) लक्ष्य प्राप्ति में प्रमुख बाधा क्या है ?

(A) हमारा आलस्य | (B) हमाराशिक्षित होना |

(C) ज्ञान का अभाव या अज्ञान | (D) इनमें से कोई नहीं |

Q(15) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए |

(A) भारतीय दर्शन | (B) ज्ञान और दर्शन |

(C) मानव दर्शन | (D) जीवन दर्शन |

अथवा

दूसरे हमारी क्षमता का विश्वास करें और हमारी सफलता को निश्चित मानें, इसके लिए आवश्यक शर्त यह है कि हमारा अपनी क्षमता और सफलता में अखंड विश्वास हो | हमारे भीतर उगा भय, शंका और अधैर्य ऐसे डायनामाइट हैं, जो हमारे प्रति दूसरों के विश्वास को खंडित कर देते हैं | हमारे विद्यालय में, जो नगर से दूर जंगल में था, चौदह वर्ष का एक बालक अपने घर से अकेला पढ़ने आया करता था | कुछ महीने बाद दूसरा बालक भी उसके साथ आने लगा |वह दूसरा बालक बहुत डरपोक था | वह भूतों और चोरों की कहानियाँ उसे सुनाया करता | इसका ऐसा प्रभाव पड़ा कि पहला बालक भी डरपोक हो गया और वे दोनों मेरी प्रतीक्षा करते रहते कि मैं चलूँ, तो वे भी मेरे साथ चलें |

सूत्र यह बनता है - हतोत्साहियों, निराशावादियों, डरपोकों और सदा असफलता का ही मरसिया पढ़नेवालों के संपर्क से दूर रहो | नीति का वचन है कि जहां अपनी, अपने कुल की और अपने देश की निंदा हो और उसका मुँहतोड़ उत्तर देना संभव न हो, तो वहाँ से उठ जाना चाहिए | क्यों ? क्योंकि इससे हमारे आत्मगौरव और आत्मविश्वास की भावना खंडित होने का भय रहता है |

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए -

Q(16) दूसरे लोग हमारी सफलता और क्षमता पर कब विश्वास करने लगते हैं ?

(A) जब हम उनके मित्र हों |

(B) जब हम बलशाली हों |

(C) जब हमें अपनी सफलता और क्षमता पर पूर्ण विश्वास हो |

(D) इनमें से कोई नहीं |

Q(17) भय, शंका और अधैर्य को डायनामाइट क्यों कहा गया है ?

(A) ये हमारे प्रति दूसरों के विश्वास को खंडित कर देते हैं |

(B) ये हमारे मन में भय को जन्म देते हैं |

(C) ये हमें मन से शक्तिशाली बनाते हैं |

(D) उपर्युक्त सभी |

Q(18) जहाँ अपने कुल, देश आदि की निंदा हो वहाँ से क्यों उठ जाना चाहिए ?

(A) इससे हमारा अपमान होता है

(B) ऐसी बातें हानिकारक होती हैं

(C) इन बातों से हमें दुख पहुंचता है

(D) हमारा आत्मविश्वास और आत्मगौरव खंडित होने का भय होता है

Q(19) इस गद्यांश से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

(A) हमें बुद्धिमान लोगों से दूर रहना चाहिए |

(B) हमें शक्तिशाली लोगों से दूर रहना चाहिए |

(C) हमें निराशावादी और डरपोक लोगों से दूर रहना चाहिए |

(D) इनमें से कोई नहीं |

Q(20) इसका ऐसा प्रभाव पड़ा कि पहला बालक भी डरपोक हो गया - रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद होगा |

(A) सरल वाक्य | (B) सयुंक्त वाक्य |

(C) मिश्र वाक्य | (D) इनमें से कोई नहीं |

खंड 'ख' व्यावहारिक व्याकरण (16 अंक)

निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए **4**

Q21. वमीरो <u>तेज़ी से दौड़ती हुई</u> घर पहुँची | रेखांकित में कौन-सा पदबंध है |

(A) क्रिया विशेषण पदबंध (B) विशेषण पदबंध

(C) संज्ञा पदबंध (D) क्रिया पदबंध

Q22. आयुष सुरभि का चुटकुला सुनकर <u>हँसता रहा</u>| रेखांकित पदबंध का प्रकार है |

(A) क्रिया विशेषण पदबंध (B) विशेषण पदबंध

(C) संज्ञा पदबंध (D) क्रिया पदबंध

Q23 . उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढने में व्यस्त थीं | वाक्य में संज्ञा पदबंध होगा |

(A) उसकी व्याकुल (B) वामीरो को ढूँढने में

(C) व्यस्त थीं (D) व्याकुल आँखें

Q24. लेखक खेलने के लिए मैदान की ओर चला जाता | वाक्य में क्रिया विशेषण पदबंध होगा |

(A) लेखक (B) चला जाता

(C) मैदान की ओर (D) इनमें से कोई नहीं

Q25. उसकी कल्पना में वह एक <u>अद्भुत साहसी</u> युवक था | रेखांकित पदबंध होगा |

(A) संज्ञा पदबंध

(B) सर्वनाम पदबंध

(C) विशेषण पदबंध

(D) क्रिया पदबंध

निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए 4

Q26. वामीरो कुछ सचेत हुई और घर की तरफ दौड़ी |

(सरल वाक्य वाला विकल्प कौन सा होगा)

(A) वामीरो जब सचेत हुई तब घर की तरफ दौड़ी |

(B) वामीरो कुछ सचेत होकर घर की तरफ दौड़ी |

(C) वामीरो कुछ सचेत हुई इसलिए घर की तरफ दौड़ी |

(D) वामीरो सचेतता के कारण घर की तरफ दौड़ी |

Q27. निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य कौन-सा होगा ?

(A) मेरे और भाई साहब के बीच अब केवल एक दरजे का अंतर रह गया |

(B) आखिर आदमी को कुछ तो अपनी पोजीशन का ख्याल रखना चाहिए |

(C) जब से माता जी ने प्रबंध अपने हाथ में ले लिया है, तब से घर में लक्ष्मी आ गई है |

(D) मेरे रहते तुम बेराह नहीं चल पाओगे |

Q28. जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है | वाक्य रचना की दृष्टि से है -

(A) सरल वाक्य

(B) सयुंक्त वाक्य

(C) मिश्र वाक्य

(D) इनमें से कोई नहीं

Q29. तताँरा को देखकर वह फूटकर रोने लगी | सयुंक्त वाक्य इनमें से कौन सा होगा |

(A) उसने तताँरा को देखा और फूटकर रोने लगी |

(B) जब उसने तताँरा को देखा तब वह फूटकर रोने लगी |

(C) तताँरा को देखते ही वह फूटकर रोने लगी |

(D) वह इसलिए रोने लगी क्योंकि उसने तताँरा को देखा |

Q30. रीति के अनुसार जब दोनों एक ही गाँव के हों तभी उनका विवाह संभव था | रचना की दृष्टि से वाक्य का कौन सा भेद होगा |

(A) सरल वाक्य

(B) मिश्र वाक्य

(C) सयुंक्त वाक्य

(D) इनमें से कोई नहीं

निम्नलिखित छह भागों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए **4**

Q31. हाथ-पाँव | निम्नलिखित में से सही विकल्प कौन सा होगा ?

(A) हाथ पाँव - तत्पुरुष समास

(B) हाथ या पाँव - कर्मधारय समास

(C) साथ के साथ पाँव - बहुव्रीहि समास

(D) हाथ और पाँव -द्वंद्व समास

Q32. 'वनगमन' समस्तपद का विग्रह होगा -

(A) वन का गमन (B) वन से गमन

(C) वन को गमन (D) वन और गमन

Q33. 'यथासमय' शब्द किस समास का उदाहरण है -

(A) कर्मधारय समास

(B) तत्पुरुष समास

(C) बहुव्रीहि समास

(D) अव्ययीभाव समास

Q34. 'गंगाजल'| सही विकल्प कौन-सा होगा -

(A) गंगा का जल - तत्पुरुष समास

(B) गंगा में जल - तत्पुरुष समास

(C) गंगा और जल - कर्मधारय समास

(D) गंगा जैसा जल - अव्ययीभाव समास

Q35. 'बाकायदा' शब्द के लिए सही समास विग्रह का चयन कीजिए |

(A) कायदे के अनुसार - अव्ययीभाव समास

(B) कायदे के बिना -अव्ययीभाव समास

(C) कायदे ही कायदे - अव्ययीभाव समास

(D) कायदे के द्वारा कृत - तत्पुरुष समास

Q36. पाँच हैं आनन जिसके (शिव) | सही विकल्प का चुनाव कीजिए |

(A) पंचानन - कर्मधारय समास

(B) पंचानन - बहुव्रीहि समास

(C) पंचानन - द्विगु समास

(D) पंचानन - अव्ययीभाव समास

निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए - 4

Q37. 'साये से भागना'| मुहावरे का सही अर्थ होगा |

(A) साये से दूर रहना

(B) साये से डरना

(C) नाम से ही डरना

(D) नाम मिट जाना

Q38. पुत्र की गलती पर पिता ने उसे .....| विकल्पों में से सही मुहावरा भरिए |

(A) आड़े हाथों लेना

(B) टाँग अड़ाना

(C) हाथ मलना

(D) जान पर खेलना

Q39. प्राय: उधार लेने के बाद लोग .....निकल जाते हैं | रिक्त स्थान में विकल्पों में से सही मुहावरा भरिए|

(A) ढाढ़स बढ़ाकर

(B) आँख दिखाकर

(C) आँख बचाकर

(D) आँख फोड़कर

Q40. कभी नौकरी ढूँढने निकलोगे तो .....| रिक्तस्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से कीजिए |

(A) ज़मीन पर पाँव न रखना

(B) आटे-दाल का भाव मालूम होना

(C) दीवार खड़ी करना

(D) नाम निशान मिटाना

Q41. विद्यालय के वार्षिकोत्सव में इतने अधिक काम थे कि उन्हें निपटाते - निपटाते .....| उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान भरिए |

(A) दीन-दुनिया से गया

(B) शब्द चाट डाला

(C) दाँतों पसीना आ गया

(D) डेरा डाल

खंड 'ग' पाठ्य-पुस्तक [14 अंक]

(घ.) निम्नलिखित कव्यांश आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प छांटकर दीजिए - 4

मोर मुगट पीतांबर सौहैं, गल वैजन्ती माला |
बिंदरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला |
ऊँचा-ऊँचा महल बणाव बिच बिच राखूँ बारी |
साँवरिया रा दरसण पास्यूँ, पहर कुसुंबी साड़ी |
आधी रात प्रभु दरसण, दीज्यों जमानाजी रे तीरां |
मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर, हिवड़ो घणों अधिराँ

Q(42) गले में वैजन्ती फूलों की माला किसने पहनी है ?

(A) धेनु ने | (B) मीरा ने |
(C) श्री कृष्ण ने | (D) किसी ने भी नहीं |

Q(43) मोहन वृन्दावन में क्या करते हैं ?

(A) फूल तोड़ते हैं (B) बांसुरी बेचते हैं |
(C) भक्तों को दर्शन देते हैं | (D) गाय चराते हैं |

Q(44) मीरा कुसुंबी साड़ी पहनकर क्या करना चाहती है ?|

(A) ईश्वर के दर्शन पाना (B) भजन कीर्तन करना
(C) भवन बनाना (D) खिड़कियाँ बनाना

Q(45) मीरा अपने प्रियतम से कहाँ मिलना चाहती है ?

(A) महल के छत पर | (B) यमुना नदी के बीच |
(C) यमुना नदी के किनारे | (D) महल के दरवाज़े के पास |

(ड.)निम्नलिखित गद्यांश आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प छांटकर दीजिए 5

सदियों पूर्व, जब लिटिल अंडमान और कार-निकोबार आपस में जुड़े हुए थे तब वहाँ एक सुंदर सा गाँव था | पास में एक सुंदर और शक्तिशाली युवक रहा करता था | उसका नाम था तताँरा | निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे | तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था | सदैव दूसरों की सहायताके लिए तत्पर रहता | अपने गाँववालों को ही नहीं,अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्त्वय समझता

था | उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था | सभी उसका आदर करते | वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता| दूसरे गाँव में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता | उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते | पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता | लोगों का मत था, बावजूद लकड़ी की होने पर, उस तलवार में अद्भुत दैवीय शक्ति थी | तताँरा अपनी तलवार को कभी अलग नहीं होने देता | उसका दूसरों के सामने उपयोग भी न करता | किन्तु उसके चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोग-बाग तलवार में अद्भुत शक्ति का होना मानते थे | तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी |

Q(46) निकोबारी तताँरा से बेहद प्रेम क्यों करते थे ?

(A) वह एक नेक और मददगार व्यक्ति था |

(B) तताँरा बहुत सुंदर था|

(C) तताँरा बहुत शक्तिशाली था|

(D) उसके पास तलवार होने के कारण |

Q(47) तताँरा अपना परम कर्तव्य किसे समझता था ?

(A) अपने गाँव वालों की सेवा करना

(B) समूचे द्विपवासियों की सेवा करना |

(C) ज़रूरत पड़ने पर अपनी तलवार का उपयोग करना |

(D) हमेशा पारंपरिक पोशाक पहनना |

Q(48) पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में क्या बाँधे रखता ?

(A) धातु की तलवार (B) लकड़ी की एक तलवार

(C) पारंपरिक तलवार (D) शक्तिशाली तलवार

Q(49) लोग तताँरा के करीब क्यों रहना चाहते थे ?

(A) त्याग की वजह से |

(B) साहसी होने के कारण |

(C) आत्मीय स्वभाव की वजह से |

(D) इनमें से कोई नहीं |

Q(50) लोगों के अनुसार तताँरा की तलवार थी-

(A) दैवीय शक्ति से युक्त | (B) बेकार |

(C) कीमती | (D) उपर्युक्त तीनों |

(च)निम्नलिखित गद्यांश आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प छांटकर दीजिए **5**

मेरी माँ कहती थी, सूरज ढले आँगन के पेड़ों से पत्ते मत तोड़ो, पेड़ रोएँगे | दीया-बत्ती के वक्त फूलों को मत तोड़ो, फूल बददुआ देते हैं |...दरिया पर जाओ तो उसे सलाम किया करो, वह खुश होता है | कबूतरों को मत सताया करो, वे हज़रत मुहम्मद को अज़ीज़ हैं | उन्होने उन्हें अपनी मज़ार के नीले गुंबद पर घोंसले बनाने की इजाजत दे रखी है | मुर्गे को परेशान नहीं किया करो, वह मुल्ला जी से पहले मोहल्ले में अज़ान देकर सबको सवेरे जगाता है |

Q(51) लेखक की माँ किस समय पेड़ों के पत्ते तोड़ने के लिए मना करती है ?

(A) सूरज ढलने के बाद | (B) सुबह के समय |

(C) रात्रि में | (D) दोपहर को |

Q(52) कबूतर किसको अधिक प्रिय हैं ?

(A) लेखक की माँ को (B) हज़रत मुहम्मद को |

(C) मुल्ला जी को | (D) इनमें से कोई नहीं |

Q(53) मोहल्ले में अज़ान देकर सबको सवेरे कौन जगाता है?

(A) मुर्गा (B) कबूतर (C) माँ (D) मुल्ला जी

Q(54) दरिया को सलाम क्यों करना चाहिए ?

(A). वह आशीर्वाद देता है | B) वह परेशान होता है |

(C) वह रोता है | (D) वह खुश होता है |

Q(55) हज़रत मुहम्मद ने कबूतरों को कहाँ पर घोंसले बनाने की इजाजत दे रखी है |

(A) कहीं भी | (B) नीले गुंबद पर|

(C) मीनार पर | (D) इनमें से कहीं नहीं|